राष्ट्रीय हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

गजब हरियाणा

संपादक : जरनैल सिंह सह संपादिका : सृष्टि देवी छायाकार : राजरानी PKL NO.: 0184/2024-26

WWW.GAJABHARYANA.COM 01 अक्तूबर 2025, वर्ष : 08, पृष्ठ : 04, अंक : 13, मूल्य : 7 रुपए, वार्षिक मूल्य : 150 रुपए Email: gajabharyananews@gmail.com

ज्ञान विचार

अच्छे रिजल्ट लेने के लिए, बातो से नही रातो से लड़ना पड़ता है।

सिख समाज एक बहादुर कौम, धर्म की रक्षा के लिए सिर कटा दिये, लेकिन झुके नहीं : नायब सिंह सैनी

1984 सिख दंगों के पीड़ित परिवारों की पीड़ा हमारी पीड़ा, सिख समाज का संघर्ष हम सब के लिए प्रेरणादायक

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ. जरनैल रंगा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिख समाज एक बहादुर कौम है, जिसने धर्म की रक्षा के लिए सिर कटा दिये, लेकिन झुके नहीं। 1984 सिख दंगों में पीडित परिवारों की पीड़ा हमारी पीड़ा है और सिख समाज का संघर्ष हम सब के लिए प्रेरणादायी है व उनका आत्म-सम्मान सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश भर से आए सिख समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश सरकार द्वारा मानसून सत्र के दौरान 1984 के दंगा पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव पारित करने पर सिख समाज ने 26 सितंबर को मुख्यमंत्री का सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। ऐसे 121 परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया गया था, जिनके किसी सदस्य की जान दंगों में चली गई थी। उन्होंने कहा कि सिख समाज की कुर्बानियों तथा वीरता पर सभी भारतवासियों को भी गर्व है। गुरुओं के आदर्शों व सिद्धान्तों पर चलते हुए जहां स्वतंत्रता आन्दोलन में बढ़चढ़ कर भाग लिया, वहीं आजादी के बाद भारत माता की रक्षा के लिए बड़ी-बड़ी कुर्बानियां दी हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिखों की सेवा भावना भी विश्व विख्यात है। जहां भी मानवता पर संकट आता है, वहां पर उनकी रक्षा और सेवा के लिए पहुंच जाते हैं। लेकिन जिस समाज ने देश व धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी उसी समाज को वर्ष 1984 में निर्दयता से जख्मी किया गया। 1984 के वे काले दिन भारतीय लोकतंत्र और मानवता के इतिहास में एक कलंक के रूप में अंकित हैं। निर्दोष सिख समाज के हजारों लोगों ने उस हिंसा में अपने प्रियजनों को खो दिया और अपने घर-बार से उजड़ गए।

1984 दंगों के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए उठाए ठोस कदम, सम्मान देने का भी किया काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने सत्ता में आने के बाद यह संकल्प लिया कि वर्ष 1984 की त्रासदी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने के साथ साथ उन्हें सम्मान भी दिया जाएगा। हमने विशेष जांच आयोग गठित किए, दोषियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया को तेज किया और मुआवजा योजनाओं को लागू किया। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी परिवार को न्याय से वंचित न रहना पड़े। प्रदेश में किसी भी नागरिक के साथ, उसकी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर अन्याय नहीं होगा।

हर कदम पर डबल इंजन सरकार ने श्रद्धा और सम्मान के साथ किया काम

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सिख समाज के योगदान के प्रति बार-बार कृतज्ञता व्यक्त की हैं। प्रधानमंत्री की पहल पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400 वें प्रकाश वर्ष को देश-भर में मनाया तथा उनकी स्मृति में डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया गया। उन्होंने दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह के शहीदी दिवस को हर वर्ष 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। हरियाणा में श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व हो या करतारपुर कॉरिडोर की शुरुआत, हर कदम पर हमारी डबल इंजन सरकार ने श्रद्धा और सम्मान के साथ काम किया है।

प्रदेश सरकार शिक्षण संस्थानों का नाम रख रही है गुरुओं के नाम पर

नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिसम्बर, 2022 में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की स्थापना की गई। इससे सिख समुदाय को स्वायत्तता मिली है। सिरसा स्थित गुरुद्वारा श्री चिल्ला साहिब को 70 कनाल भूमि स्थानांतरित की गई। उन्होंने कहा कि यमुनानगर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नाम श्री गुरु तेग बहादुर सिंह जी के नाम पर रखा गया है। इसी प्रकार, असंध के कॉलेज का नाम श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे बेटे बाबा फतेह सिंह जी के नाम पर रखा गया है।

तीर्थ यात्रियों के लिए 'स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना' की गई शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की आस्था को देखते हुए श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा, श्री ननकाना साहिब, श्री हेमकुण्ड साहिब और श्री पटना साहिब जाने वाले प्रदेश के तीर्थ यात्रियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 'स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना' शुरू की गई है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 1984 की घटना हमें यह भी सिखाती है कि समाज में नफरत फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ हमेशा सतर्क रहना होगा और कभी भी विभाजन की राजनीति में नहीं फंसना है। 1984 की पीड़ा और उसके बाद न्याय पाने के संघर्ष ने हमें सिखाया हैं कि न्याय के लिए लड़ाई लंबी व कठिन हो सकती है। लेकिन जीत न्याय की ही होती है। हम मिलकर एक 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' का निर्माण करेंगे, जहां केवल भाईचारे, प्रेम और न्याय का बोलबाला होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, डॉ प्रभलीन सिंह, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीन आत्रेय, बाबा गुलाब सिंह, बाबा कश्मीर सिंह, बाबा गुरदीप सिंह, बाबा दविन्द्र सिंह सहित प्रदेशभर से आए सिख समाज के लोग उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव बनेगा वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से विश्व को जोड़ने का माध्यम : नायब सैनी

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ. जरनैल रंगा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव- 2025 न केवल हरियाणा, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक धरोहर को विश्व पटल पर स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस महोत्सव के माध्यम से विश्व समुदाय को गीता के शाश्वत संदेश से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गीता का संदेश हर पीढ़ी के लिए प्रासंगिक है। यह महोत्सव हमारी भावी पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने और विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से परिचित कराने का माध्यम बनेगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी शनिवार को राज्यपाल प्रोफेसर अशीम कुमार घोष की अध्यक्षता में आयोजित हुई कुंरुक्षेत्र विकास बोर्ड की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से शोभा यात्रा निकली जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गीता महोत्सव के दौरान स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए सभी धार्मिक, सामाजिक, अन्य संगठनों और जन भागीदारी के साथ एक विशेष अभियान चलाया जाए ताकि कुंरुक्षेत्र की पावन धरा स्वच्छ और सुंदर बने। उन्होंने निर्देश दिए कि महोत्सव के आयोजन को सफल बनाने के समय रहते सभी प्रबंध पूरे किए जाएं ताकि आगंतुकों को किसी भी प्रकार से असुविधा न हो। उन्होंने व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों को प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महोत्सव के दौरान राज्य की संस्कृति और परंपराओं की झलक आगंतुकों को दिखाई देनी चाहिए, ताकि वे यहां से एक सुखद अनुभव लेकर जाएं। बैठक में बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 का आयोजन 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक होगा। मुख्य कार्यक्रम 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इस बार विदेश मंत्रालय की तरफ से पहली बार 40 देशों में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन 40 देशों में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के कुरुक्षेत्र में होने वाले मुख्य कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण भी देखा जा सकेगा। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय की पहल पर कुरुक्षेत्र में होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में 15 से ज्यादा देशों के 25 स्कॉलर भी पहुंचेंगे। साथ ही, 20 से ज्यादा देशों के राजदूत भी इस महोत्सव में शिरकत करेंगे। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में 7 देशों के शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है। इन देशों की शिल्पकला को ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में सजाया जाएगा ताकि महोत्सव में आने वाले पर्यटक इस शिल्पकला को देख सके। इसके अलावा, ज्योतिसर अनुभव केन्द्र को भी महोत्सव के साथ जोडा जाएगा ताकि अनुभव केन्द्र में आने वाले पर्यटक भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में भागीदारी कर सकें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में करनाल में स्वच्छ शहर जोड़ी समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। करनाल के जिला सचिवालय सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत स्वच्छ शहर जोड़ी-समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। स्वच्छता के प्रति मार्गदर्शन के लिए करनाल नगर निगम की ओर से प्रदेश के 5 शहरों की नगर पालिकाओं के साथ एमओयू किया गया। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन व शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल सोनीपत से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देश की विभिन्न निकाय संस्थाओं से जुड़े और स्वच्छ शहर जोड़ी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार करनाल को देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था। अब करनाल प्रदेश के 5 शहरों- सीवन व राजौंद (कैथल), ईस्माइलाबाद (कुरुक्षेत्र), नारनौंद (हिसार) और कालांवाली (सिरसा) का स्वच्छता को लेकर मार्गदर्शन करेगा। इस बारे में आज एमओयू किया गया। उन्होंने कहा कि दूसरे शहरों अथवा कस्बों को भी स्वच्छ, सुंदर व हरा भरा बनाने के लिए निर्धारित मापदंडों को पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम हरियाणा के शहरों के बीच भी स्वच्छता की प्रतियोगिता आयोजित करेंगे। हमने हरियाणा के शहरों की रैंकिंग भी तय की है। उसके लिए कुछ पैरामीटर भी तय किए हैं। नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्र में साफ-सफाई के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि प्रदेश साफ-सुथरा हो, शहर स्वच्छ हों, हरे भरे हों, उसे साकार किया जा सके। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता में बेहतर रैंकिंग पाने वाले शहरों ने आज पांच-पांच अन्य शहरों को गोद लिया है। ताकि भविष्य में इन्हें भी स्वच्छ बनाया जा सके। पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण में करनाल के साथ-साथ सोनीपत ने भी बेहतर रैंक प्राप्त किया था। आज सोनीपत ने होडल, नारनौल, पटौदी मंडी, फर्रूखनगर व कुंडली को गोद लिया है।

जीएसटी दरों में भारी कटौती करके केन्द्र सरकार ने हर वर्ग को राहत दी : पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर

गजब हरियाणा न्यूज/दीक्षित

जगाधरी। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने जगाधरी शहर में जीएसटी पर आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए कहा कि जनता के हितों को लगातार तवज्जो देते हुए केन्द्र की मोदी सरकार व प्रदेश की नायब सिंह सैनी सरकार जनता के हित में कदम उठा रही है।

केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स शुभ नवरात्रि पर्व से लागू किए जाने पर खुशी जताते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने जिला डीईटीसी अदितेंदर सिंह तक्षक एवं अन्य जीएसटी अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर आयोजित सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जगाधरी शहर के व्यापारी वर्ग से सीधा सम्पर्क किया एवं जीएसटी बचत उत्सव अभियान के बारे में विस्तृत चर्चा की।

पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि हाल ही में जीएसटी दरों में भारी कटौती करके केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग को राहत दी है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती किए जाने से हर वर्ग को डबल फायदा मिला है। जीएसटी कम होने से आवश्यक जरूरत की वस्तुएं सस्ती हुई है वहीं इससे देश के विकास की रफ्तार बढ़ेगी।

उन्होंने इस जीएसटी रिफॉर्म को विकसित भारत बनाने की दिशा में मोदी सरकार का आवश्यक कदम बताया और कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से ही नए पीढ़ी के जीएसटी से देश की जनता को राहत मिलनी शुरू हो गई है, जो स्वागत योग्य है। डीईटीसी अदितेंदर सिंह तक्षक ने कहा कि सम्मानित व्यापारी वर्ग को जीएसटी दरों में किए गए ऐतिहासिक कदम का अधिक से अधिक लाभ आम जनता को दिलवाना सुनिश्चित करें ताकि हर कोई इससे लाभान्वित हो सके। उन्होंने कहा कि जीएसटी विभाग की तरफ से व्यापारी वर्ग को हर संभव मदद मुहैया कराई जाएगी, व्यापारी वर्ग के साथ-साथ आम नागरिकों को भी जीएसटी के कम हुए रेटों के बारे में विस्तृत बताया जाएगा जिससे जीएसटी से होने वाले लाभों को खरीददार तक आसानी से पहुंचाया जा सके। बैठक में शहर के व्यापारियों ने अपनी जीएसटी टैक्स से संबंधित कुछ समस्याएं जीएसटी विभाग के डीईटीसी अदितेंदर सिंह तक्षक व पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर के समक्ष सखी जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया इन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवा दिया जाएगा, हरियाणा सरकार पूरी तरह से आपके साथ है।

इस दौरान जीएसटी विभाग से डीईटीसी अदितेंदर सिंह तक्षक, संयोजक गिरीश पुरी, सहसंयोजक शिवकुमार काम्बोज, सहसंयोजक व्यास गोयल, भारत गर्ग, अश्वनी, अध्यक्ष मनोज गुप्ता, चेयरमैन विपुल गर्ग, चेयरमैन राकेश त्यागी, भाजपा नेता कृष्ण सिंगला, जिला मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग, मंडल अध्यक्ष प्रियंक शर्मा, मंडल अध्यक्ष कृष्ण खदरी आदि सैंकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

संपादकीय.....

लोग क्या कहेंगे? इस बेड़ी को तोड़कर आगे बढ़ें

अक्सर हम अपने जीवन में एक ऐसी अदृश्य बेड़ी में बंधे होते हैं, जिसका नाम है 'लोग क्या कहेंगे?'। यह सोच हमारे सपनों पर पर्दा डाल देती है और हमारी प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। हम अक्सर दूसरों की राय को अपने लिए एक पैमाना बना लेते हैं और इसी जाल में फंसकर अपनी राह भटक जाते हैं।

यह बात एक पुरानी कहानी से बहुत खूबसूरती से समझाई जा सकती है। एक बार एक पति-पत्नी अपने गधे के साथ कहीं जा रहे थे। जब वे तीनों पैदल चले, तो लोगों ने कहा, 'कितने मूर्ख हैं, गधा होते हुए भी पैदल चल रहे हैं।' जब दोनों गधे पर बैठ गए, तो लोगों ने उन्हें 'निर्दयी' कहा। जब पति ने पत्नी को गधे पर बिठाया, तो लोगों ने पति को 'जोरू का गुलाम' कहा। और जब पत्नी को पैदल चलाकर पति गधे पर बैठाया, तो लोगों ने उसे 'खुदगर्ज' कहा। यह कहानी हमें सिखाती है कि आप कुछ भी कर लें, कुछ लोग हमेशा नकारात्मकता ढूंढ ही लेंगे। उन्हें सिर्फ बुराइयां निकालने की आदत होती है। ऐसे लोगों पर ध्यान देना अपनी ऊर्जा और समय बर्बाद करना है। यही वे लोग होते हैं जो कई प्रतिभाशाली युवाओं के सपनों में बाधा डालते हैं। जीवन का रास्ता खुद चुनना होता है और उस रास्ते पर हमें खुद के साथ ईमानदार रहना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आपका काम सही है और समाज के भले के लिए है, तो बिना झिझके आगे बढ़ें। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो सही काम को भी गलत साबित करने में लगे रहते हैं। इन लोगों से बहस करने का कोई फायदा नहीं, क्योंकि वे आपको अपनी सोच के स्तर पर ले आएंगे। आपके खिलाफ हो रही हर आलोचना का सबसे अच्छा जवाब आपकी सफलता है। उन सभी नकारात्मक टिप्पणियों को नज़रअंदाज़ करके अपनी सफलता के लिए कड़ी मेहनत करना ही सबसे प्रभावी तरीका है।

आपके सपनों को कोई और नहीं जी सकता। आपकी योग्यता, क्षमता, और ऊर्जा को आपसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता। तो फिर दूसरों के हिसाब से क्यों चलें? अपने दिल की सुनें और उसी के अनुसार निर्णय लें। फिर अपनी मेहनत से उस निर्णय को सही साबित करके दिखाएं। याद रखें, आपकी असली सफलता कभी न गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठने में है। और जब लोग कहें कि 'यह तुम्हारे बस की बात नहीं, 'तो वही करके दिखाने में असली मज़ा है। दोस्तों, 'मेहनत करना मत छोड़ो। प्रयास जारी रखो। लड़ते रहो, गिरते रहो और आगे बढ़ते रहो।'

कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का साईकलिंग वैलोड्रम का निर्माण कार्य शीघ्र करवाया जाएगा शुरू: कैलाश सैनी

गजब हरियाणा ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि राज्य स्तरीय साइकिलिंग खेल महाकुंभ 2025 का समापन समारोह का आयोजन द्रोणाचार्य स्टेडियम में किया गया। खेल हमें समय का महत्व, धैर्य रखना और अनुशासन में रहना सिखाते है। खेल हमारे अंदर आत्मविश्वास भरते है, खेल हर किसी के लिए बहुत जरूरी है, जो उन्हें फिट रखने और शारीरिक ताकत बनाए रखने में मदद करता है। जीवन के हर स्टेज (चरण) में खेलो का बहुत महत्व है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी 26 सितंबर शुक्रवार को द्रोणाचार्य स्टेडियम में राज्य स्तरीय साइकिलिंग खेल महाकुंभ 2025 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने खेल महाकुंभ में विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा खिलाडियों के लिए नर्सरी, छात्रवृति, नकद ईनाम इत्यादि अनेको योजनाएं चलाई जा रही है जिससे खिलाडियों का प्रदर्शन दिन-प्रतिदिन बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि साईकलिंग खिलाडियों के लिए कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का साईकलिंग वैलोड्रम का निर्माण कार्य शीघ्र अति शीघ्र आरम्भ किया जाएगा। जिससे हरियाणा राज्य के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों हासिल कर सकेगें। उन्होंने कहा कि हर इंसान को मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार से स्वस्थ रहना जरूरी है, जिनमे खेल बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। खेलों से हमारा फोकस भी बढ़ता है। खेल हमारे जीवन में काफी अहम भूमिका निभाते हैं, क्योंकि खेल हमे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं।

जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य से लगभग 200 खिलाडियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस राज्य स्तरीय साईकलिंग खेल महाकुम्भ 2025 में पुरुषों की ओवर ऑल श्रेणी में कुरुक्षेत्र ने प्रथम, फतेहबाद द्वितीय, करनाल तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह महिला की ओवरऑल श्रेणी में फतेहबाद प्रथम, कुरुक्षेत्र द्वितीय तथा करनाल तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर साइकिलिंग प्रशिक्षक पंजाब सिंह, मुक्केबाजी प्रशिक्षक जितेन्द्र सिंह पंवार, बास्केटबॉल प्रशिक्षक पंकज पराशर,उपाधीक्षक मनोज कटारिया व अन्य प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा को सम्मानित करते श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला कुरुक्षेत्र हरियाणा के हेडहॉक कमेटी के पदाधिकारी श्याम लाल पूर्व सरपंच एवं अन्य।

डॉ. भीमराव अंबेडकर हर्बल पार्क का होगा विस्तार, विधायक रामकुमार कश्यप ने किया शिलान्यास

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। इंद्री के विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने इंद्री स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर हर्बल पार्क के विस्तार और सौंदर्यकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पार्क परिसर में पौधारोपण भी किया। विधायक कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्क के विस्तार एवं सौंदर्यकरण के लिए तुरंत संज्ञान लेते हुए 30 लाख रुपये की राशि उपलब्ध करवाई है। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री से विशेष अनुरोध किया था, जिस पर तुरंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।वर्तमान में यह पार्क 6 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। अब इसके साथ सटी हुई वन विभाग की 4 एकड़ भूमि को भी इसमें शामिल किया जाएगा। विधायक ने कहा कि विस्तार कार्य पूरा होने के बाद यह पार्क और अधिक विशाल व आकर्षक बनेगा, जिससे इंद्री और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को प्राकृतिक व आधुनिक सुविधाएं एक साथ मिल सकेंगी।

ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने पर ड्राईविंग लाईसेंस हो सकता है सस्पेंड

गजब हरियाणा ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। एसडीएम शाश्वत सांगवान ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने पर चालक का ड्राईविंग लाईसेंस रद्द करने के प्रयास पर मंथन किया जाएगा। अगर चालक के तीन बार चालान होंगे तो उसका लाईसेंस 2 साल के लिए भी रद्द हो सकता है। इस जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए और ट्रैफिक नियमों की पालना करवाने के लिए जिला सडक़ सुरक्षा की बैठक के तमाम सदस्यों ने इस प्रकार के निर्णय लिए है।

एसडीएम शाश्वत सांगवान वीरवार को देर सायं लघु सचिवालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले आरटीए इंस्पेक्टर जोगिन्द्र ढुल ने जिला सड़क सुरक्षा समिति के तमाम एजेंडो पर प्रकाश डाला और विभिन्न विभागों द्वारा किए गए कार्यों को भी हाउस के समक्ष रखा। इसके साथ ही रोड सेफ्टी के 12 नए विषयों को भी हाउस के समक्ष रखा। इतना ही नहीं एसडीएम शाश्वत सांगवान ने सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से समिति की बैठक में पहुंचे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से सुझाव मांगे। इस बैठक में एक दर्जन से ज्यादा अधिकारियों, कर्मचारियों ने सुझाव भी दिए। एसडीएम ने कहा कि इन सभी सुझावों पर आगामी 7 दिनों में कार्रवाई की जाएगी और एक अच्छी सोच के साथ अच्छे परिणाम भी देखने को मिलेंगे। एसडीएम ने कहा कि पिपली चौक हरियाणा के सबसे ज्यादा सडक़ दुर्घटना वाले 30 बिन्दुओं में शामिल है, इसलिए एनएचएआई के अधिकारी तथा अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी इस विषय को गंभीरता से लेते हुए पिपली चौक के आस पास के 2 किलोमीटर के क्षेत्र में सड़क़ दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध करे और एनएचएआई के अधिकारी जल्द से जल्द पिपली चौक के आस-पास स्लीप रोड का प्रबंध करे। इस जिले में अगस्त 2025 में 107 दुर्घटनाएं हो चुकी है और इन दुर्घटनाओं में 114 लोगों की जान जा चुकी है। इसलिए सभी अधिकारी इस विषय को गंभीरता से ले और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गंभीरता से कार्य करे।

निर्गुण-निराकार परमात्मा का प्रत्यक्ष दर्शन संभव: स्वामी ज्ञान नाथ

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अंबाला। अंबाला शहर (बलदेवनगर) से नारायणगढ़ रोड, गांव खतौली मोड़ नजदीक भगवान परशुराम गौशाला स्थित निराकारी जागृति मिशन में आयोजित विशेष प्रेस भेंट वार्ता के दौरान मौजूदा गद्दीनशीन चेयरमैन, संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और संत संवारनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट बाहरी कुरुक्षेत्र के चेयरमैन और गजब हरियाणा समाचार पत्र के मार्गदर्शक परमश्रद्धेय संत शिरोमणि दिव्य ज्ञान रत्न श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने कहा कि परमात्मा कोई कल्पना, अनुमान या अंधविश्वास का विषय नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष देखने और जानने योग्य सत्य है।

स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि परमात्मा का कोई रंग-रूप और आकार नहीं है। वह निर्गुण, निराकार, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है, जो हर काल और हर हाल में ज्यों का त्यों रहता है।

स्वामी जी ने कहा कि परमात्मा की साक्षात प्राप्ति संभव है, लेकिन इसके लिए समय के हाकिम ब्रह्मनिष्ठ सतगुरु की कृपा अनिवार्य है। उनकी रहमोकर्म से खुली आंखों से पलभर में परमात्मा का दर्शन कर सकता है। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा कि बिना अनुभव और बिना दर्शन के केवल मान लेना आत्म-धोखे के समान है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सुन-सुन कर, पढ़-पढ़कर, तीर्थो के भ्रमण और अनावश्यक कर्मकांडों से परमात्मा को न जाना जा सकता है, न पाया जा सकता है। असली संतोष तभी मिलता है जब साधक सुरत-शब्द योग का अभ्यास करता है और दिव्य शब्दधुन का अनुभव करता है। उन्होंने आगे कहा कि परमात्मा का प्रत्यक्ष अनुभव ही अध्यात्म का सार है। जिसने परमात्मा को देखा है वही दूसरों को भी दिखा सकता है। जिसने जाना है वही दूसरों को ज्ञान दे सकता है। स्वामी जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन का असली उद्देश्य भगवत प्राप्ति है। अगर व्यक्ति केवल दिखावे की पूजा-पद्धतियों और बाहरी कर्मकांडों में उलझकर रह जाता है तो उसका अनमोल जीवन व्यर्थ नष्ट हो जाता है। उन्होंने आह्वान किया कि आओ, निराकारी जागृति मिशन से जुड़कर परमात्मा के निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार स्वरूप का प्रत्यक्ष दर्शन करो और अपने जीवन को मंगलमय और सार्थक बनाओ।

समाचार

स्मॉग पर वार: गुरुग्राम में 485 लाख की एंटी-स्मॉग गन, 100 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट को हरी झंडी

गजब हरियाणा न्यूज/गुरावा

गुरुग्राम। प्रदूषण की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए गुरुग्राम नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम वित्त एवं संविदा कमेटी की बैठक में 16 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिनमें 485 लाख रुपये की लागत से एंटी-स्मॉग गन खरीदना प्रमुख है। उम्मीद जताई जा रही है कि इन मशीनों से पराली जलाने व अन्य प्रदूषण स्रोतों से बनने वाले स्मॉग को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। बैठक में मेयर राजरानी मल्होत्रा की अध्यक्षता में निगमायुक्त प्रदीप दहिया और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ग्रांट से ट्रक माउंटेड स्प्रिंकलर कम एंटी-स्मॉग गन खरीदने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुआ। इसके अलावा 508.96 लाख रुपये से बजघेराड़ा फिरनी को मॉडल रोड बनाने का, 279.98 लाख से मेफील्ड गार्डन में बीएम-बीसी रोड निर्माण का, और 802.40 लाख से धनवापुर चौक तक 900 एमएम व्यास की पुरानी सीवर लाइन को मजबूत करने का फैसला लिया गया। साथ ही सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए 16 टन क्षमता वाली दो रीसायकल सुपर सकर मशीनें खरीदी जाएंगी, जिस पर संचालन और रखरखाव सहित लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सामुदायिक केंद्र, गोशालाओं और पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों को भी प्रशासनिक मंजूरी मिली।

ऐतिहासिक गुरुघर तुगलकाबाद का भव्य पुनर्निर्माण जल्द होगा शुरू, इमरजेंसी मीटिंग में हुई अहम चर्चा

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ. जरनैल रंगा

नई दिल्ली। 20 सितंबर 2025 को नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक गुरुघर तुगलकाबाद के पुनर्निर्माण को लेकर एक महत्वपूर्ण आपातकालीन बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में गुरुघर की कमेटी के पदाधिकारियों ने गुरुघर को उसके पुराने गौरव और भव्यता को पुनः दिलाने के लिए विस्तार से चर्चा की। बैठक में कमेटी के सलाहकार संत सुखदेव वाघमारे जी महाराज और दुष्यंत कुमार गौतम, कमेटी के प्रधान संत वीर सिंह हितकारी जी महाराज, महासचिव एम.आर. बाली, सचिव सुरजीत कुमार, कोषाध्यक्ष ऋषिपाल, केयरटेकर बलिराम, और कानूनी सलाहकार महिपाल भी मौजूद रहे। इस दौरान, सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से गुरुघर के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू करने का निर्णय लिया। बैठक के दौरान, कई जाने-माने वास्तुकारों से भी गुरुघर के प्रस्तावित नक्शे पर गहन विचार-विमर्श किया गया। कमेटी का लक्ष्य है कि पुनर्निर्मित गुरुघर न केवल आधुनिक सुविधाओं से युक्त हो, बल्कि अपनी ऐतिहासिक पहचान और आध्यात्मिक महत्व को भी बरकरार रखे। इस बैठक में तय हुआ कि गुरुघर को एक ऐसा रूप दिया जाएगा जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। कमेटी के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि यह पुनर्निर्माण सिर्फ एक इमारत का नहीं, बल्कि आस्था और विरासत को संरक्षित करने का प्रयास है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा, जिसके बाद तुगलकाबाद का यह ऐतिहासिक गुरुघर अपने नए, भव्य और दिव्य स्वरूप में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा।

किसानों की धान की फसल एजेंसियों द्वारा खरीदी जा रही है निर्धारित न्यूनतम मूल्यों पर : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ. जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र की सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में धान की फसल को खरीदने के लिए व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए है और सरकार ने पहल करते हुए सभी मंडियों में 22 सितंबर से धान की फसल का सरकारी खरीद कार्य 22 सितंबर से शुरू कर दिया था। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को सख्त आदेश जारी करते हुए कहा कि इस धान के सीजन में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के साथ-साथ अन्य खरीद एजेंसियों की तरफ से किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। इस बार खरीद एजेंसियों की तरफ से सभी खरीद केंद्र व मंडियों में बारदाना, साफ, सफाई, बिजली सहित अन्य सभी प्रबंध किए गए है। उन्होंने कहा कि सभी खरीद केंद्रों पर धान खरीद का कार्य इस समय सुचारू रूप से चल रहा है। इन खरीद केंद्रों पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा किसानों का धान सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। जिला के राइस मिलर्स द्वारा धान के सीएमआर कार्य के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पास रजिस्ट्रेशन करवाने का कार्य जारी है। इतना ही नहीं जिला की मंडियों में खरीदे गए धान का उठान ट्रांसपोर्ट द्वारा शुरू कर दिया गया है।

अज्ञान और नशे ने गुलामी के बंधन में डाल दिया: स्वामी गुरदीप गिरी जी

सतगुरु समनदास महाराज जी का 106वां जन्मोत्सव बड़ी श्रद्धा से मनाया गया

गजब हरियाणा न्यूज/सृष्टि

लाडवा/कुरुक्षेत्र। शनिवार को श्री गुरु रविदास लाडवा दरबार साहिब में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। अवसर था सतगुरु समनदास महाराज जी के 106वें जन्मोत्सव, आश्रम के 19वें स्थापना दिवस और वार्षिक उत्सव का, जिसे आश्रम के संचालक संत गुरपाल दास जी की सरपरस्ती में धूमधाम और आध्यात्मिक माहौल के बीच मनाया गया। इस पावन अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में डेरा स्वामी गुरदीप गिरी आश्रम पठानकोट के गद्दीनशीन श्री श्री 108 स्वामी गुरदीप गिरी जी महाराज पहुंचे।

कार्यक्रम में क्षेत्रभर से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संत जैन दास हितकारी डेरा दयालगढ़ यमुनानगर सहित विभिन्न आश्रमों के संत महात्माओं तथा कई राजनेताओं ने भी इस समारोह में शिरकत कर अपने विचार रखे। भक्ति संगीत, सत्संग और प्रवचनों से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया।

स्वामी गुरदीप गिरी जी का प्रवचन

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्री श्री 108 स्वामी गुरदीप गिरी महाराज जी ने कहा कि जब सतगुरु रविदास जी इस धरती पर पधारे, तो उन्होंने देखा कि समाज का एक वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक भेदभाव का शिकार है। उन्हें शूद्र और नीच कहकर संबोधित किया जाता था। मगर सतगुरु जी ने इतिहास का गहन अध्ययन किया और यह साबित किया कि भारत के मूल निवासी कभी समृद्ध, संपन्न और क्रांतिकारी थे।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे एक राजा सपने में भिखारी बन जाता है और तब तक दुखी रहता है जब तक वह सोए रहता है, वैसे ही हम अपने अज्ञान की नींद में सोए हुए हैं। असल में हमारी जड़ें समृद्धि से जुड़ी हैं, लेकिन अज्ञान और नशे ने हमें गुलामी के बंधन में डाल दिया है।

नशे से मुक्त समाज का संदेश

स्वामी जी ने आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी देश के मूल निवासियों को गुलाम बनाने की साजिश रची गई, उन्हें नशे में जकड़ा गया। आज की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। नशा हमें हमारी असली पहचान और ताकत से दूर कर देता है। अगर समाज नशे का परित्याग कर दे तो आधी गुलामी स्वतः समाप्त हो जाएगी। सतगुरु रविदास जी के उपदेशों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमें ऐसे नशे छोड़ने चाहिए जो कुछ घंटों के लिए हमें भ्रमित कर दें, बल्कि हमें नाम का अमृत अपनाना चाहिए, जो जीवन भर होश और सुख देता है। दुनिया के नशे गरीबी और कष्ट लाते हैं, वहीं नाम का नशा सच्ची खुशहाली और जीवन जीने की कला सिखाता है।

श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति

श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन में शामिल होकर अध्यात्मिक सुख प्राप्त किया और सतगुरु जी के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। आश्रम परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और पूरे आयोजन में अनुशासन, श्रम और सेवा भावना का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला।

अमृतबाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की

कह रैदास तेरी भगति दूरि है, भाग बड़े सो पावै।
तजि अभिमान मेटि आपा पर, पिपिलक हवै चुनि खावै।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या : – ईश्वर की आराधना भाग्य के माध्यम से प्राप्त होती है। जो व्यक्ति अभिमान से मुक्त होता है, वह जीवन में अवश्य सफल होता है। ठीक उसी प्रकार, जैसे एक बड़ा हाथी शक्कर के दानों को नहीं उठा सकता, वहीं एक छोटी चींटी उन्हें सरलता से इकट्ठा कर लेती है।

धन गुरुदेव जी

पठानकोट आश्रम में संक्रांति सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं को किया निहाल

निरंतर गुरबाणी श्रवण से ही प्रभु मिलन का वैराग्य जागृत होता है : स्वामी जी

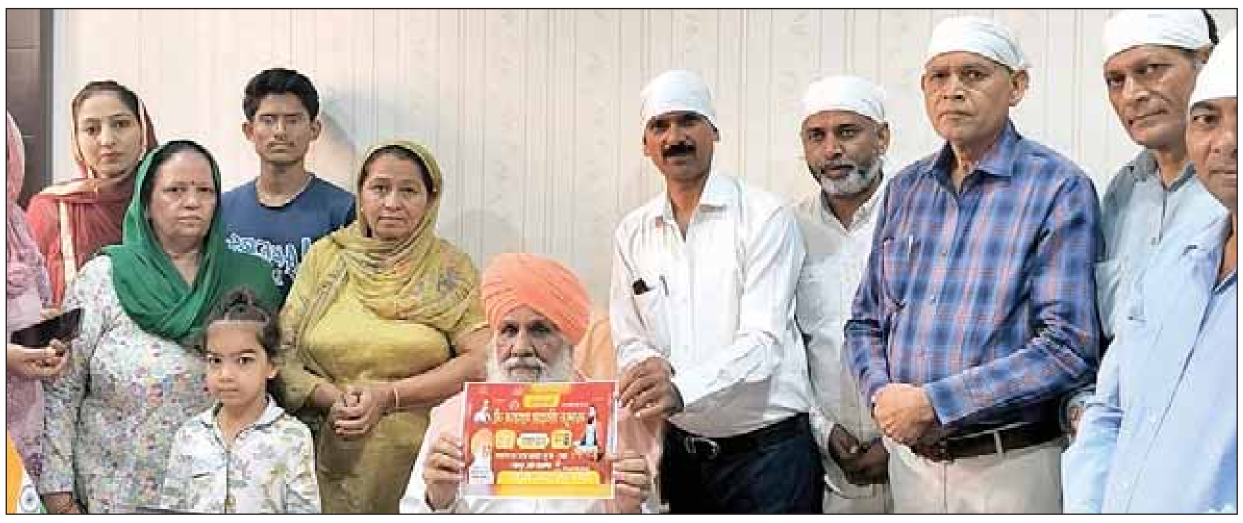

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ. जरनैल रंगा

पठानकोट। 16 सितंबर को संक्रांति के पावन अवसर पर स्वामी जगतगिरी आश्रम पठानकोट में एक भव्य सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आश्रम की बहनों द्वारा मधुर शब्द कीर्तन से हुई, जिसने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद, पवन म्यूजिकल ग्रुप के पवन कुमार ने अपने उत्कृष्ट शब्द से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। सत्संग का मुख्य आकर्षण स्वामी गुरदीप गिरी जी महाराज के रूहानी प्रवचन रहे। स्वामी जी ने श्री गुरु अर्जुन देव जी द्वारा रचित 'बारह माह' के 'आसू माह' शब्द

'असुनी प्रेम उमहाड़ा किउ मिलीऐ हरि जाइ'

की गहन व्याख्या की। स्वामी जी ने समझाया कि यह मानव जीवन प्रभु से मिलन की उत्कृष्ट इच्छा से भरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'इंसानी चोला पाकर मेरे मन में प्रेम की उछाल उठ रही है कि उस मालिक से कैसे मिलाप होगा?

स्वामी जी ने आगे कहा - 'मन तन प्यास दरसन घणी कोई आणि मिलावै माइ'

हे मेरी माता, मेरे पिता और मेरे भाइयों, मेरे तन-मन को मालिक से मिलने की तीव्र प्यास लगी है। उन्होंने 'दुखी दर्द बंद दरयाया, बहुत प्यास जवाब ना पाया' का जिक्र करते हुए कहा कि एक सच्चा भक्त अपने दुखों और कष्टों को छोड़कर प्रभु के दर पर आता है और उनके दर्शन की भीख मांगता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रभु से मिलन का यह वैराग्य तभी पैदा होता है जब हम निरंतर गुरबाणी का श्रवण करते हैं और उसे अपने जीवन में उतारते हैं। स्वामी जी ने बताया कि कुसंगत में रहने वालों के मन में प्रेम और वैराग्य कभी नहीं जागता, यह केवल उन्हीं के मन में पैदा होता है जो गुरबाणी

से जुड़े रहते हैं। उन्होंने दिखावे की भक्ति की आलोचना करते हुए कहा कि केवल वही सफल होते हैं जिनके मन में सच्चा वैराग्य होता है।

स्वामी जी ने वैराग्य की तुलना फसल उगाने से करते हुए कहा कि जिस तरह फसल के लिए सही मौसम की जरूरत होती है, उसी तरह गुरबाणी और सत्संग के माध्यम से हम अपने मन में वैराग्य का माहौल बना सकते हैं, जो हमें परमात्मा से मिलने में सहायक होता है।

उन्होंने शिरोमणि सतगुरु रविदास जी के शब्द

'मिलत प्यारो प्राणनाथ कवन भगत ते' का भी उल्लेख किया और समझाया कि गुरु , संत ही हमें परमात्मा से मिलाने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा, 'संत सहाय प्रेम के हाऊं, तीनके लगा पाएं,' जिसका अर्थ है कि संत और महात्मा ही परमात्मा तक पहुंचने में हमारी मदद करते हैं।

'बिन देखे उपजे नहीं आसा' स्वामी जी ने कहा कि हमने प्रभु को देखा नहीं है, इसलिए हमारे मन में उनके प्रति प्यार नहीं जगा। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया में जो कुछ भी हम देख रहे हैं, वह सब नश्वर है, जबकि प्रभु अविनाशी हैं। उन्होंने कहा कि जो इंसान निष्काम भाव से प्रभु का नाम जपता है, वही सच्चा योगी होता है। अंत में, स्वामी गुरदीप गिरी जी महाराज ने 'मत कोई भ्रम भूले संसार नूर बिन कोई न उतरे पार' का संदेश देते हुए कहा कि कोई भी इस भ्रम में न रहे कि गुरु के बिना पार उतारा हो जाएगा। उन्होंने मीराबाई का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें भी गुरु ने ही पार लगाया था। संतों और गुरुओं की सहायता के बिना परमात्मा से मिलन असंभव है।

कुरुक्षेत्र में होगा 8 अक्टूबर को भव्य सत्संग

15 सितंबर, 2025 को कुरुक्षेत्र से 'गजब हरियाणा' समाचार पत्र के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा, नौरंग राम, राजेंद्र सिंह, दलबीर सिंह, अंबाला से शेर सिंह और फुलेल माजरा के पूर्व सरपंच फूल सिंह सहित कई श्रद्धालु डेरा स्वामी जगतगिरी आश्रम, पठानकोट पहुंचे। उन्होंने श्री गुरु रविदास वर्ल्ड पीस टेंपल के दर्शन किए और आश्रम के गद्दीनशीन श्री श्री 108 स्वामी गुरदीप गिरी जी महाराज से मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस विशेष भेंट के दौरान, श्रद्धालुओं ने स्वामी जी को 8 अक्टूबर, 2025 को कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले सत्संग 'अमृतवर्षा' का निमंत्रण दिया। स्वामी जी ने इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कुरुक्षेत्र और अंबाला की संगत को अपना आशीर्वाद दिया, जिससे सभी श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई।

गजब रसोई अपनी रसोई

6 अलग-अलग तरह की सलाद रेसिपी दी गई हैं, जिन्हें आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।

1. ककड़ी–टमाटर सलाद (Cucumber-Tomato Salad)

यह सलाद सबसे सरल और ताज़ा होता है, जिसे आप हर भोजन के साथ परोस सकते हैं।

सामग्री:
ककड़ी: 1 (कटी हुई)
टमाटर: 1 (कटा हुआ)
गाजर: 1/2 (कद्दूकस की हुई)
प्याज: 1/2 (बारीक कटा हुआ)
नींबू का रस : 1 चम्मच
काला नमक: 1/2 चम्मच
चाट मसाला: 1/2 चम्मच (वैकल्पिक)
बारीक कटा हुआ हरा धनिया :1 चम्मच

विधि :
एक बड़े कटोरे में कटी हुई ककड़ी, टमाटर, गाजर और प्याज डालें।
ऊपर से नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला डालें।
सभी सामग्री को अच्छी तरह से मिलाएं।
आखिर में बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालकर तुरंत परोसें।

2. अंकुरित मूंग दाल सलाद (Sprouted Moong Dal Salad)

यह सलाद बहुत ही पौष्टिक और प्रोटीन से भरपूर होता है, जो नाश्ते या शाम के स्नैक्स के लिए एकदम सही है।

सामग्री:
अंकुरित मूंग दाल : 1 कप
बारीक कटा हुआ प्याज: 1/4 कप
बारीक कटा हुआ टमाटर : 1/4 कप
बारीक कटा हुआ खीरा : 1/4 कप
अनार के दाने: 1/4 कप
हरी मिर्च: 1 (बारीक कटी हुई)
नींबू का रस: 1 चम्मच
चाट मसाला : 1 चम्मच
काला नमक :1/2 चम्मच

विधि :
एक बड़े कटोरे में अंकुरित मूंग दाल, कटा हुआ प्याज, टमाटर, खीरा और हरी मिर्च डालें।
इसमें अनार के दाने मिलाएं।
ऊपर से नींबू का रस, चाट मसाला और काला नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं।
तुरंत परोसें।

3. फल और पनीर सलाद (Fruit and Paneer Salad)

यह सलाद मीठा और नमकीन स्वाद का एक अच्छा मिश्रण है, जिसमें फल और पनीर दोनों की पौष्टिकता होती है।

सामग्री:
पनीर: 100 ग्राम (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ)
सेब: 1 (कटा हुआ)
केला: 1 (कटा हुआ)
अंगूर: 1/2 कप
अनानास: 1/2 कप (कटा हुआ)
शहद : 1 चम्मच
दही : 2 चम्मच
काली मिर्च पाउडर: 1/4 चम्मच
नमक: एक चुटकी

विधि:
एक बड़े कटोरे में कटे हुए सभी फल और पनीर के टुकड़े डालें।
एक छोटे कटोरे में दही, शहद, काली मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर ड्रेसिंग तैयार करें।
इस ड्रेसिंग को फलों और पनीर के ऊपर डालें और हल्के हाथ से मिलाएं।
ठंडा करके परोसें।

4. छोले सलाद (Chickpea Salad)

यह सलाद फाइबर और प्रोटीन से भरपूर है, जो इसे एक बहुत ही संतोषजनक भोजन बनाता है।

सामग्री:
उबले हुए छोले: 1 कप
बारीक कटा हुआ प्याज: 1/4 कप
बारीक कटा हुआ टमाटर : 1/4 कप
बारीक कटा हुआ खीरा: 1/4 कप
नींबू का रस: 1 चम्मच
जैतून का तेल : 1 चम्मच
चाट मसाला: 1 चम्मच
नमक : स्वादानुसार
बारीक कटा हुआ हरा धनिया: 2 चम्मच

विधि:
एक बड़े बाउल में उबले हुए छोले, कटा हुआ प्याज, टमाटर और खीरा डालें।
एक अलग कटोरी में नींबू का रस, जैतून का तेल, चाट मसाला और नमक मिलाएं।
इस ड्रेसिंग को छोले और सब्जियों के ऊपर डालें और अच्छी तरह से मिलाएं।
ऊपर से हरा धनिया डालकर परोसें।

5. राजमा–चावल सलाद (Kidney Bean-Rice Salad)

यह सलाद राजमा और चावल के संयोजन से बनता है, जो इसे एक पूर्ण भोजन जैसा बनाता है।

सामग्री :
उबले हुए चावल: 1/2 कप (ठंडे किए हुए)
उबले हुए राजमा: 1/2 कप
भुनी हुई शिमला मिर्च: 1/4 कप (कटी हुई)
स्वीट कॉर्न : 1/4 कप
पुदीना की पत्तियां: 1 चम्मच (कटी हुई)
नींबू का रस: 1 चम्मच
काली मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
नमक: स्वादानुसार

विधि :
एक बड़े कटोरे में उबले हुए चावल, राजमा, भुनी हुई शिमला मिर्च और स्वीट कॉर्न डालें।
इसमें कटी हुई पुदीना की पत्तियां, नींबू का रस, काली मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं।
सभी सामग्री को अच्छी तरह से मिलाएं।
ठंडा करके या तुरंत परोसें।

6. आलू चाट सलाद (Potato Chaat Salad)

यह एक स्वादिष्ट और चटपटा सलाद है जो किसी भी पार्टी या शाम के स्नैक्स के लिए उत्तम है।

सामग्री:
उबले हुए आलू: 2 (चौकोर टुकड़ों में कटे हुए)
बारीक कटा हुआ प्याज: 1/4 कप
बारीक कटा हुआ टमाटर: 1/4 कप
इमली की चटनी: 1 चम्मच
हरी चटनी: 1 चम्मच
जीरा पाउडर: 1/2 चम्मच
चाट मसाला: 1 चम्मच
सेव (नमकीन): 2 चम्मच (गार्निश के लिए)
धनिया पत्ती: 1 चम्मच (गार्निश के लिए)

विधि:
एक कटोरे में कटे हुए उबले आलू, प्याज और टमाटर डालें।
इसमें इमली की चटनी, हरी चटनी, जीरा पाउडर और चाट मसाला डालें।
सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें।
आखिर में सेव और धनिया पत्ती से सजाकर तुरंत परोसें।

बोधिसत्व अनागारिक धम्मपाल जी के जन्मदिन पर विशेष

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के महान योद्धा को नमन करना जरूरी

बोधिसत्व अनागारिक धम्मपाल जी का जन्मदिन 17 सितंबर को था, जिन्होंने भारत में बुद्ध के धम्म, उनसे जुड़े स्थलों व बुद्धवाणी को पुनर्जीवित किया और एशिया, यूरोप व अमेरिका तक पहुंचाया। महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के महान योद्धा को नमन करना जरूरी है।

उनका जन्म 17 सितंबर 1864 को कोलंबो के एक बहुत अमीर ईसाई परिवार में हुआ था। नाम था डेविड हेवावितरणे। डेविड थियोसॉफिकल सोसायटी के संस्थापक मैडम मैरी व कर्नल हेनरी के संपर्क में आए जो बुद्ध धम्म के विद्वान थे। युवावस्था में ही डेविड बुद्ध की शिक्षाओं से काफी प्रभावित हुए और पालि भाषा सीखी। तब अपना नाम अनागरिक धम्मपाल रखा। अनागरिक अर्थात अब किसी समुदाय या नगर के नागरिक नहीं। सामाजिक बंधनों से मुक्त व्यक्ति, सांसारिक आसक्ति नहीं।

सर एरनोल्ड की बुक 'द लाइट ऑफ एशिया' पढी तो मानो उन्हें बुद्धभूमि भारत ने बुला ही लिया। 1891 में बोधगया आए। यहां महाबोधि विहार पर पुरोहितों का कब्जा व कर्मकांड देखकर काफी दुखी हुए। इसी तरह कुशीनगर व सारनाथ की दुर्दशा देखी। फिर तय किया कि भारत में बुद्ध की वाणी को फिर से आगाज करेंगे। महाबोधि सोसाइटी की स्थापना की, जिसका ऑफिस कोलंबो से कोलकता लाए। पूरी दुनिया को भारत के बौद्ध स्थलों की दुर्दशा से अवगत कराया। आखिर उन्हीं के प्रयासों से बौद्धों का महाबोधि विहार में प्रवेश शुरू हुआ।

1893 में शिकागो में हुए विश्व धर्म संसद में बौद्ध प्रतिनिधि के रूप में भारत से अनागरिक धर्मपाल को आमंत्रित किया गया था। स्वामी विवेकानंद को अधिकृत निमंत्रण नहीं था उन दिनों स्वामी विवेकानंद कोलकाता में अनागरिक धम्मपाल के संपर्क में थे। मित्र थे इसलिए अनागरिक धम्मपाल ने आयोजकों से निवेदन पर अपने भाषण के समय में से तीन मिनट का समय स्वामी विवेकानंद को बोलने के लिए दिया गया।

धर्म संसद में अनागरिक धम्मपाल ने बौद्ध दर्शन पर दिए भाषण से धर्म संसद में आए दुनिया के विभिन्न धर्मों के विद्वान अचंभित रह गए और बुद्ध

की शिक्षाओं व भारतभूमि से बहुत प्रभावित हुए। स्वामी विवेकानंद का हिंदू दर्शन पर भाषण हुआ।

आपने अपने माता पिता से मिली सारी सम्पत्ति को कोलम्बो, कोलकत्ता, बोधगया, सारनाथ, लंदन आदि कई जगहों पर अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, पुस्तकालय, ध्यानकेंद्र आदि बनवाने में खर्च कर दी।

भारत में बुद्ध धम्म को फिर से जीवित करने वाले इस महामानव ने 13 जुलाई 1931 को बौद्ध भिक्षु के रूप में प्रव्रज्या ली और भिक्षु देवमित्र धम्मपाल कहलाए। लगातार चालीस वर्ष तक भारत, यूरोप व अमेरिका में करुणा व मैत्री के धम्म का प्रचार किया। 29 अप्रैल 1933 को परिनिर्वाण हुआ। उनके अस्थि अवशेष सारनाथ के मूलगंध कुटी विहार में सुरक्षित है। अपने जीवन के अंतिम क्षणों में भिक्षु धम्मपाल जी ने बुद्ध भूमि भारत से असीम श्रद्धा के साथ लिखा था- मैं भगवान बुद्ध के धम्म प्रचार के लिए 25 बार भारत भूमि पर फिर से जन्म लेना चाहता हूँ। ऐसे बोधिसत्व को बार-बार नमन। उन्हीं की गौरव स्मृति में पूरी दुनिया में पालि गौरव दिवस मनाया जाता है।

सबका मंगल हो....सभी प्राणी सुखी हो

डॉ. एम.एल. परिहार, पाली. जयपुर

चाय बनाने का सही तरीका, 90% लोग करते हैं ये 3 गलतियां, जानें सही क्रम

भारत में चाय सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि एक भावना है। सुबह की शुरुआत से लेकर शाम की थकान मिटाने तक, चाय हर मौके पर साथ देती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि आपकी पसंदीदा चाय का स्वाद आपके बनाने के तरीके पर निर्भर करता है? एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि लगभग 90% लोग चाय गलत तरीके से बनाते हैं, और इसका सीधा असर उसके स्वाद पर पड़ता है। चाय की पत्ती, चीनी और दूध को गलत क्रम में डालने से चाय का स्वाद बिगड़ जाता है।

आइए, इस लेख में जानते हैं कि चाय बनाने का सही वैज्ञानिक तरीका क्या है।

1.सबसे पहले : पानी और पत्ती चाय बनाने की शुरुआत हमेशा पानी से करनी चाहिए। एक बर्तन में ज़रूरत के हिसाब से पानी डालें और उसे उबालने के लिए रखें। जब पानी में उबाल आ जाए, तो उसमें तुरंत चाय की पत्ती डालें। ऐसा करना इसलिए ज़रूरी है क्योंकि पत्ती में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और उसका असली स्वाद सीधे उबलते पानी में ही अच्छी तरह से बाहर आता है। अगर आप पत्ती को सीधे दूध में डालते हैं, तो उसका फ्लेवर दब जाता है और चाय कड़वी हो सकती है।

2. दूसरे स्थान पर : चीनी बहुत से लोग शुरुआत में ही चीनी डाल देते हैं, लेकिन यह तरीका सही नहीं है। चीनी को तब डालना चाहिए जब पानी और पत्ती कुछ देर तक उबल चुके हों। ऐसा करने से पत्ती का फ्लेवर दबने की बजाय और भी निखरता है और चीनी भी पूरी तरह घुल जाती है। यह क्रम सुनिश्चित करता है कि चाय में मिठास का सही संतुलन हो और पत्ती का स्वाद पूरी तरह महसूस हो।

3. अंत में : दूध चाय बनाने में दूध की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, लेकिन इसे सबसे अंत में मिलाना चाहिए। जब पानी और पत्ती अच्छी तरह से उबल जाएं और चीनी घुल जाए, तभी दूध डालें। अगर दूध को पहले डाल दिया जाए, तो पानी में पत्ती का स्वाद सही तरह से नहीं आ पाता। दूध डालने के बाद, चाय को ज्यादा देर तक नहीं उबालना चाहिए। केवल 2–3 मिनट तक ही उबालें, क्योंकि ज्यादा उबालने से चाय का स्वाद भारी और उसकी महक फीकी पड़ सकती है।

अतिरिक्त सुझाव : चाय को कड़वा होने से बचाने के लिए, दूध डालने के बाद उसे ज़्यादा देर तक न उबालें।

चाय को हमेशा उबाल आने के तुरंत बाद छान लें। अगर उसे बर्तन में ही छोड़ दिया जाए, तो उसका स्वाद बिगड़ सकता है।

इन सरल चरणों का पालन करके, आप एक ऐसी चाय बना सकते हैं जो न केवल स्वादिष्ट होगी, बल्कि उसमें सभी तत्वों का सही संतुलन भी होगा। अगली बार जब आप चाय बनाएं, तो इन बातों का ध्यान रखें और स्वाद में आए फर्क को खुद महसूस करें।

बढ़ती उम्र और त्वचा की झुर्रियों को दूर भगाने के लिए सात योगासन

योग शरीर के विभिन्न अंगों और उनकी कार्यक्षमता में सुधार करने में सहायक है, जिसके असर व्यक्ति के आंतरिक और बाहरी शरीर पर दिखता है। वह शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रहता है। नियमिय योगाभ्यास से मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है और पाचन भी ठीक रहता है। रक्त संचार सुचारू रूप से होता है, जिससे त्वचा पर निखार और रंगत आती है। उम्र से साथ व्यक्ति की त्वचा पर असर दिखने लगता है। बढ़ती उम्र के साथ त्वचा पर झुर्रियां और फाइन लाइन्स आना एक सामान्य प्रक्रिया है। सही खान-पान और योगासन के जरिए त्वचा को जवान और स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है। कई अभिनेत्रियां जो 50 की आयु पार कर चुकी हैं, वह सही जीवनशैली और नियमित योगाभ्यास के जरिए नए उम्र की अभिनेत्रियों की तरह ही खूबसूरत और जवान दिखती हैं। अगर आप भी 35-40 की आयु में ऐसे ही निखार की तलाश में हैं तो यहां कुछ प्रभावी योगासनों के बारे में बताया जा रहा है। इन योगासनों को रोजाना 20-30 मिनट तक करते हैं, तो आपकी त्वचा पर झुर्रियां कम होने लगेंगी और त्वचा में प्राकृतिक चमक बनी रहेगी।

बिंदुमति

एक बड़ी अनूठी कहानी है, अशोक के जीवन में घटी। कहना मुश्किल है कि कहा तक सच है। लेकिन बड़ी गहरी सचाई की खबर देती है।

एक संध्या, वर्षा के दिन हैं, पाटलीपुत्र में, पटना में अशोक गंगा के किनारे खड़ा है। भयंकर बाढ़ आई है गंगा में। सीमाएं तोड़कर गंगा बह रही है। बड़ा विराट उसका रूप है; भयंकर तांडव करता उसका रूप है। न मालूम कितने गांव बहा ले गई। न मालूम कितने खेतों को विनष्ट कर दिया, कितने पशु–पक्षी बहते चले जा रहे हैं। अशोक खड़ा है अपने आमात्यों, अपने मंत्रियों के साथ। और उसने कहा कि क्या यह संभव है, क्या कोई ऐसा उपाय है कि गंगा उलटी बह सके? ऐसा अचानक उसको खयाल उठ आया कि क्या कोई रास्ता है कि गंगा उलटी बह सके स्रोत की तरफ? आमात्यों ने कहा, असंभव। और अगर चेष्टा भी की जाए तो अति कठिन है। एक वेश्या भी अशोक के साथ गंगा के किनारे आ गई है। वह नगर की सबसे बड़ी वेश्या है। उन दिनों में वेश्याएं भी बड़ी सम्मानित होती थीं। वह नगरवधू है। उस वेश्या का नाम था, बिंदुमति। वह हंसने लगी और उसने कहा कि अगर आप आज्ञा दें, तो मैं इसे उलटा बहा सकती हूं।

अशोक चौंका। उसने कहा कि क्या ढंग है? क्या मार्ग है इसको उलटा बहाने का? तेरे पास ऐसी कौन–सी कला है? तो उस वेश्या ने कहा, मेरी निजता का सत्य।

बड़ी अनूठी कहानी है। उसने कहा, मेरी निजता का सत्य, मेरे जीवन का सत्य मेरी सामर्थ्य है। मैंने उसका कभी उपयोग नहीं किया। बड़ी ऊर्जा मेरे जीवन के सत्य की मेरे भीतर पड़ी है। अगर आप कहें, तो यह गंगा उलटी बहेगी, मेरे कहने से बहेगी। इसका मुझे पक्का भरोसा है। क्योंकि मैं अपने सत्य से कभी भी नहीं डिगी। सम्राट को भरोसा न आया, पर उसने कहा, देखें। वेश्या ने आंखें बंद कीं; और

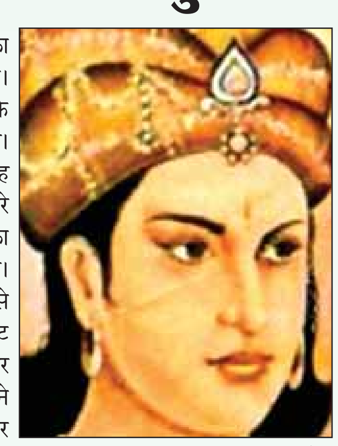

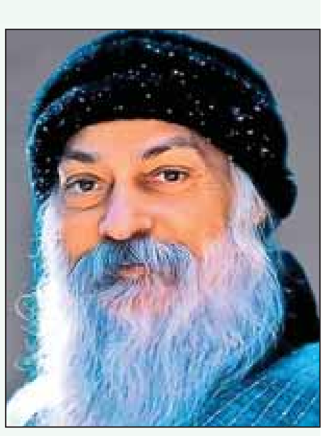

कहानी कहती है कि गंगा उलटी बहने लगी। सम्राट तो चरणों पर गिर पड़ा वेश्या के। और उसने कहा, बिंदुमति, हमें तो कभी पता ही न चला कि तू वेश्या के अतिरिक्त भी कुछ और है। यह राज, यह रहस्य तूने कहां सीखा? यह तो बड़े सिद्ध पुरुष भी नहीं कर सकते हैं।

वेश्या ने कहा, मुझे सिद्ध पुरुषों का कोई पता नहीं। मैं तो सिर्फ एक सिद्ध वेश्या हूं। और वही मेरे जीवन का सत्य है।

क्या है तेरे जीवन का सत्य, तू खोलकर कह, अशोक ने कहा। उसने कहा, मेरे जीवन का सत्य इतना है कि मैं जानती हूं, वेश्या होना ही मेरे जीवन की शैली है, वही मेरी नियति है। अन्यथा मैंने कभी कुछ और होना नहीं चाहा। अन्यथा की चाह ही मैंने कभी अपने भीतर नहीं आने दी। मैं समग्र हूं मैं सिर से लेकर पैर तक वेश्या हूं। मेरा रोआं–रोआं वेश्या है। और मैंने वेश्या के धर्म से कभी अपने को च्युत नहीं किया। अशोक ने पूछा, क्या है वेश्या का धर्म? पागल, मैंने कभी सुना नहीं कि वेश्या का भी कोई धर्म होता है। हम तो वेश्या को अधार्मिक समझते हैं। और यही मैं मानता था कि तू कितनी ही सुंदर हो, लेकिन तेरे भीतर एक गहरी कुरूपता है। क्योंकि तू शरीर को बेच रही है, सौंदर्य को बेच रही है। इससे क्षुद्र तो कोई व्यवसाय नहीं ! वेश्या ने कहा, व्यवसाय क्षुद्र और बड़े नहीं होते, व्यवसायी पर सब निर्भर करता है। मेरे जीवन का सत्य यह है कि मेरे गुरु ने, जिसने मुझे वेश्या होने की शिक्षा और दीक्षा दी, उसने मुझे कहा कि एक सूत्र भर को सम्हाले रखना, तो तेरा मोक्ष कभी तुझसे छिन नहीं सकता। और वह सूत्र यह है कि चाहे धनी आए चाहे गरीब आए; चाहे शूद्र आए, चाहे ब्राह्मणं आए; चाहे सुंदर पुरुष आए, चाहे कुरूप पुरुष आए; चाहे जवान, चाहे कोढ़ी आए, रुग्ण आए; जो भी तुझे पैसे दे, तू पैसे पर ध्यान रखना और व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करना। न तो तू कोढी को और रोगी को घृणा करना, न सुंदर को प्रेम करना। वह वेश्या का काम नहीं है। तू तटस्थ रहना। तेरा काम है पैसा ले लेना। बस, बात खतम हो गई। तेरा ध्यान पैसे पर रहे। ब्राह्मण आए, तो तू अतिशय भाव से उसके पैर मत छूना। और शूद्र आए, तो तू उसे इनकार मत करना। तेरा काम है पैसा। वेश्या का ध्यान पैसे पर। बाकी कोई भी आए, तू सम–भाव रखना। वही तेरा सम्यकत्व है, वही तेरा सत्य है।

और मैंने उसे सम्हाला है। मैंने न तो कभी किसी के प्रति प्रेम किया, लगांव दिखाया, आसक्ति बनाई, मोह किया, नहीं। न मैंने कभी किसी को घृणा की, जुगुप्सा की, नहीं। मैं दूर तटस्थ खड़ी रही हूं।

ओशो, गीता दर्शन

हरियाणा की लाखों महिलाओं के लिए बड़ी सौगात, सीएम नायब सैनी ने लॉन्च की 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' 2,100 रुपये मासिक भत्ते के लिए ऐसे भरें फार्म

गजब हरियाणा न्यूज/सुदेश

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की लाखों महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से **'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना'** का शुभारंभ कर दिया है। साथ में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी भी मौजूद रहे। गुरुवार को पंचकूला से इस योजना के मोबाइल ऐप को लॉन्च करने के साथ ही, पात्र महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता मिलने का रास्ता साफ हो गया है। इस योजना के तहत पहली किस्त 1 नवंबर (हरियाणा दिवस) से महिलाओं के बैंक खातों में आनी शुरू हो जाएगी।

किन महिलाओं को मिलेंगे 2,100 रुपये (पात्रता मानदंड)

'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' के पहले चरण में निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने वाली महिलाएं लाभ ले सकेंगीः

आयु सीमाः महिला की उम्र 23 साल से 60 साल के बीच होनी चाहिए।

आय सीमा (पहला चरण): महिला के परिवार की सालाना आय 1 लाख या उससे कम होनी चाहिए।

निवासः महिला या उनके पति का हरियाणा का कम से कम 15 साल का निवासी होना अनिवार्य है।

अपवादः यदि महिला पहले से ही 9 तरह की अन्य पेंशन योजनाओं का लाभ ले रही हैं, तो उन्हें इस योजना के 2,100 रुपये का लाभ नहीं मिलेगा।

महत्वपूर्ण जानकारीः एक परिवार से तीन महिलाएं तक इस योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि परिवार की आय 1 लाख तक रुपये है, तो घर की सास, बहू और बेटी तीनों को इसका लाभ मिल सकता है।

आवेदन प्रक्रियाः मोबाइल ऐप से सरल और आसान

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया है कि 2,100 रुपये वाली इस योजना के लिए आवेदन केवल 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी ऐप' के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए किसी सरल सेंटर या सीएससी जाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

मोबाइल से रजिस्ट्रेशन करने के चरणः

ऐप डाउनलोड और वेरिफिकेशनः अपने मोबाइल में 'लाडो लक्ष्मी योजना' का ऐप डाउनलोड करें। अपना मोबाइल नंबर भरें और ओटीपी के माध्यम से वेरिफिकेशन पूरी करें।

विवरण दर्ज करें: जिस महिला के नाम से फॉर्म भरा जा रहा है, उसका पूरा व्यक्तिगत विवरण (नाम, पता) दर्ज करें।

पारिवारिक और आय की जानकारीः लाभार्थी महिला के परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी भरें और परिवार की सालाना आय का पूरा विवरण दें।

बैंक खाता विवरणः अपने सक्रिय बैंक खाते की पूरी जानकारी भरें, जिसमें आईएफसी कोड शामिल हो।

लाइव फोटोः मोबाइल कैमरे से लाभार्थी की लाइव फोटो क्लिक करें और अपलोड करें।

आवश्यक दस्तावेज़ (अविवाहित महिलाओं के लिए उदाहरण):

आवेदन के समय निम्नलिखित कागजातों को तैयार रखेंः

आधार कार्ड और उससे जुड़ा मोबाइल नंबर।

परिवार के सभी सदस्यों के आधार नंबर।

महिला के नाम से सक्रिय बैंक खाता नंबर और आईएफसी कोड।

बिजली कनेक्शन/मीटर नंबर।

हरियाणा कौशल विकास पंजीकरण नंबर (यदि लागू हो)।

यदि घर में कोई वाहन है तो उसका पंजीकरण नंबर।

अपनी पात्रता और आवेदन की स्थिति कैसे जांचें?

पात्रता जांचः ऐप में दिए गए 'पात्रता जांचें' विकल्प पर क्लिक करें और पूछे गए सवालों के सही जवाब दें। अगर आप पात्र होंगी, तो स्क्रीन पर इसकी पुष्टि हो जाएगी।

आवेदन की स्थितिः रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक रजिस्ट्रेशन आईडी मिलेगा। आप मोबाइल ऐप पर 'आवेदन की स्थिति' में जाकर अपने आवेदन की प्रगति देख सकते हैं।

फाइनल लिस्टः वेरिफिकेशन के बाद लिस्ट तैयार होगी। इस दौरान आपके पास संदेश आएगा कि आपको 2,100 रुपये चाहिए या कम राशि की जरूरत है। इस पर रिप्लाई करने के बाद ही फाइनल लिस्ट तैयार की जाएगी।

भविष्य में योजना का विस्तार

पहले चरणः में करीब 21 लाख महिलाओं को लाभ मिलने का अनुमान है। सरकार इस योजना के विस्तार की भी तैयारी कर रही हैः

दूसरा चरणः माना जा रहा है कि इसमें 1.80 लाख रुपये सालाना आय वाले परिवारों को शामिल किया जा सकेगा।

तीसरा चरणः इसमें 3 लाख रुपये तक की आय वाले परिवारों की महिलाओं को शामिल किया जा सकता है, जिसके लिए 2028-29 तक का इंतजार करना पड़ सकता है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए, मुख्यमंत्री ने निम्नलिखित टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैंः

0172-880500, 1800-180-2231

शहीदी दिवस पर एक करोड़ की घोषणा, अमर शहीद राव तुला राम को श्रद्धांजलि

हरियाणा के वीर सपूतों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा : कैबिनेट मंत्री

गजब हरियाणा न्यूज

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने डीएवी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय शहीदी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और अमर शहीद राव तुला राम को श्रद्धांजलि दी। मंत्री ने हरियाणा के सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके बलिदान के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

शहादत अनुग्रह राशि में वृद्धिः सशस्त्र बलों और अर्ध सैनिक बलों के कर्मियों के लिए यह राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दी गई है (23 फरवरी 2024 से)।

अग्निवीरों को समर्थनः युद्ध में शहीद होने पर अग्निवीरों को भी 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी।

कल्याणकारी पहलः शहीद परिवारों के बच्चों को उच्च छात्रवृत्ति (कक्षा 6 से स्नातकोत्तर तक) और पूर्व अग्निवीरों को विभिन्न सरकारी नौकरियों में आरक्षण (जैसे पुलिस कांस्टेबल में 20%) और शारीरिक स्क्रीनिंग व सीईटी में छूट दी गई है।

अन्य सहायताः पैराप्लेजिक मरीजों की वित्तीय सहायता को 1.50 लाख रुपये किया गया और ऑपरेशनल क्षेत्रों में विकलांग हुए कर्मियों को 15 लाख रुपये से 35 लाख रुपये तक अनुग्रह राशि मिलेगी। उन्होंने कॉलेज को कार्यक्रम के आयोजन के लिए 5 लाख रुपये देने की भी घोषणा की।

सेवा स्तम्भ एवं धम्म भूमि ने रेवाड़ी में मनाया सातवां संकल्प दिवस

गजब हरियाणा न्यूज/ सृष्टि

रेवाड़ी। सेवा स्तम्भ एवं धम्म भूमि के संयुक्त आयोजन में डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी, मॉडल टाउन में सातवां संकल्प दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भगत सिंह बौद्ध ने की, जबकि सेवा स्तम्भ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.एल. भंडारी मुख्य अतिथि थे। दीप प्रज्वलन एवं बुद्ध वंदना से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि एम.एल. भंडारी ने बाबा साहेब अंबेडकर के सामाजिक न्याय और समानता के संघर्ष को याद करते हुए समाज की एकजुटता पर जोर दिया। महेंद्र सिंह भौरिया और पूनम भंडारी ने भी सामाजिक विषमताओं के विरुद्ध संगठित होने और महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। भगत सिंह बौद्ध ने सेवा स्तम्भ के सामाजिक कार्यों को सराहा। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे और आचार्य काशी राम, हवा सिंह बौद्ध सहित अन्य ने विचार व्यक्त किए। अंत में अतिथियों को सम्मानित किया गया और सामाजिक एकता एवं संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

पासपोर्ट के लिए मैरिज सर्टिफिकेट की अनिवार्यता खत्म, अब संयुक्त घोषणा पत्र से बनेगा काम

गजब हरियाणा न्यूज

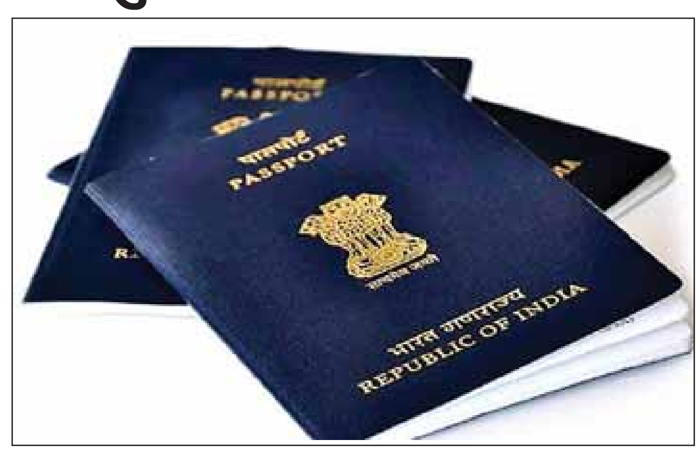

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब पासपोर्ट बनवाने के लिए मैरिज सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य नहीं होगा। यह फैसला उन शिकायतों के बाद लिया गया है, जिनमें लोगों को मैरिज सर्टिफिकेट बनवाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

मैरिज सर्टिफिकेट प्राप्त करने की जटिल प्रक्रिया, जिसमें पुराने दस्तावेज जैसे शादी का कार्ड और निकाहनामा ढूंढने में आने वाली दिक्कतें शामिल थीं, अब खत्म हो गई हैं। कई बार पुराने दस्तावेज न मिलने के कारण आवेदन रद्द हो जाते थे। इन सभी समस्याओं को देखते हुए, सरकार ने एक नया नियम लागू किया है।

क्या है नया नियम?

अब मैरिज सर्टिफिकेट के स्थान पर, आवेदकों को एनेक्सचर-जे नामक एक संयुक्त स्व-घोषणा पत्र भरना होगा। इस घोषणा पत्र में पति और पत्नी को अपनी वैवाहिक स्थिति और पते की जानकारी देनी होगी।

हालांकि, इस नए नियम के साथ एक शर्त भी हैः पासपोर्ट आवेदन में दिए गए सभी दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, और पैन कार्ड में पति-पत्नी का नाम और पता एक जैसा होना चाहिए। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, छत्तीसगढ़ के गौरव गर्ग ने बताया कि दी गई जानकारी दस्तावेजों से मेल खानी चाहिए।

यह बदलाव उन लोगों के लिए एक बड़ी राहत है जो नया पासपोर्ट बनवा रहे हैं या पुराने पासपोर्ट में अपने पति/पत्नी का नाम जुड़वा रहे हैं। पहले मैरिज सर्टिफिकेट बनवाने में कई हफ्ते लग जाते थे, और इसमें अक्सर अतिरिक्त खर्च और समय बर्बाद होता था।

अब केवल एक संयुक्त घोषणा पत्र के माध्यम से यह काम आसान हो जाएगा। यह नया नियम न सिर्फ प्रक्रिया को तेज करेगा, बल्कि लोगों को गैर-जरूरी परेशानियों और खर्च से भी बचाएगा।

थाने में अब 'तू-तड़ाक' नहीं, हर नागरिक को मिले सम्मान, सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

गजब हरियाणा न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि पुलिस थाने में शिकायत लेकर आने वाले हर व्यक्ति के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्ति का मौलिक अधिकार बताया है। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने यह फैसला सुनाते हुए तमिलनाडु राज्य मानवाधिकार आयोग के एक आदेश को सही ठहराया। दरअसल, तमिलनाडु में एक पुलिस इंस्पेक्टर पर 13 लाख रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज न करने और शिकायतकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप था। एसएचआरसी ने इस दुर्व्यवहार के लिए इंस्पेक्टर पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि हर भारतीय नागरिक जो किसी अपराध की शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन जाता है, वह सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है। यह फैसला पुलिस के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि उन्हें शिकायतकर्ताओं के साथ इज्जत से पेश आना होगा, एफआईआर दर्ज करनी होगी और मामले की जांच करनी होगी। यह फैसला, जो पावुला येसु दासन बनाम रजिस्ट्रार, राज्य मानवाधिकार आयोग तमिलनाडु के मामले से जुड़ा है, सीधे तौर पर उन लोगों को लाभ पहुंचाएगा जो पुलिस से मदद मांगने जाते हैं। कोर्ट के इस आदेश के बाद, अगर कोई पुलिस अधिकारी दुर्व्यवहार करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, जिससे लोगों के अधिकारों की रक्षा होगी।

कुरुक्षेत्र में स्वास्थ्य और फिटनेस का नया अध्याय, धर्मक्षेत्र द जिम का भव्य उद्घाटन

गजब हरियाणा ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में कुरुक्षेत्र के केडीबी रोड स्थित ब्रह्मा चौक के पास ÷धर्मक्षेत्र द जिम÷ का भव्य उद्घाटन हाल ही में किया गया। यह जिम अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है और इसका उद्देश्य शहर के प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ, चुस्त और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस आधुनिक फिटनेस सेंटर की स्थापना समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त एसई रमेश फुले ने अपने पुत्र मोहित फुले के साथ मिलकर की है। यह जिम खास तौर पर व्यस्त जीवनशैली में फिटनेस को प्राथमिकता देने वाले लोगों के लिए एक आदर्श जगह सिद्ध होगा।

नियमित जिम जाने से बेहतर स्वास्थ्य और सेहतमंद दिनचर्या मिलती है : सिरोहा

उद्घाटन समारोह में अंबेडकर भवन के उप प्रधान एवं सेवानिवृत्त एसई सत्यपाल सिरोहा मुख्य रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि आज की तेज़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में हर व्यक्ति को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। सुबह का व्यायाम न केवल शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक तनाव को भी कम करता है। जिम को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना स्वास्थ्य की दिशा में सबसे बेहतर विकल्प है।

धर्मक्षेत्र द जिम में आधुनिकतम सुविधाएं : मोहित

जिम संचालक मोहित फुले ने बताया कि धर्मक्षेत्र द जिम में नवीनतम और अत्याधुनिक उपकरण लगे हैं, जो सभी आयु और फिटनेस स्तर के लोगों की जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां हर कोई शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस कर सके। ये उपकरण पेशेवर ट्रेनर्स द्वारा संचालित होंगे ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपनी फिटनेस यात्रा में सही मार्गदर्शन पा सके।

धर्मक्षेत्र द जिम में :

-नवीनतम कार्डियो मशीनें जैसे ट्रेडमिल, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग मशीनें उपलब्ध।

-योग, पिलेट्स और अन्य ग्रुप फिटनेस क्लासेस की सुविधा।

-अनुभवी और प्रमाणित ट्रेनर्स द्वारा व्यक्तिगत ट्रेनिंग।

-सभी उम्र के लिए कस्टमाइज्ड फिटनेस प्रोग्राम।

-मानसिक स्वास्थ्य के लिए मेडिटेशन और रिलैक्सेशन सेशन्स।

-सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण।

तनाव से मुक्ति के लिए व्यायाम जरूरी : रमेश फूले

रमेश फुले ने कहा कि आज के समय में इंसान तेजी से तनावग्रस्त होता जा रहा है, जो कई प्रकार की बीमारियों को जन्म देता है। नियमित व्यायाम और कसरत तनाव मुक्त रहने और स्वस्थ जीवन के लिए सबसे प्रभावी तरीका हैं। हमने यह जिम इसलिए शुरू किया है ताकि मेरा बेटा मोहित न केवल व्यवसाय में सफल हो, बल्कि समाज में एक सकारात्मक योगदान दे सके।

व्यायामः-आधुनिक जीवनशैली में बढ़ता तनाव स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

- तनाव कई गंभीर बीमारियों जैसे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग का कारण बनता है।

- नियमित व्यायाम तनाव कम करने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है।

- स्वस्थ जीवनशैली से न केवल शरीर बल्कि मन भी स्वस्थ रहता है।

- धर्मक्षेत्र द जिम इसी उद्देश्य से लोगों को स्वस्थ रखने में मदद करेगा। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिन्होंने जिम के उद्घाटन पर रमेश फुले और मोहित फुले को बधाई दी। प्रमुख अतिथियों में जिंदल हाउस से धर्मवीर पूर्व आईएएस और बलविंद्र,सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार जयवीर रंगा, मीडिया वेलफेयर क्लब के प्रधान बाबू राम तुषार, गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक डॉ. जरनैल सिंह रंगा, सेवा स्तंभ के प्रदेशाध्यक्ष रामकुमार राहुल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सुरेश यूनिसपुर, और पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा के पुत्र हन्नी अरोड़ा,अमीन से सरपंच गौरव जेलदार, मलखान सिंह चौहान, सुभाष चौहान, महीपाल फूले, राजपाल, रोशनलाल, विकास कुमार, दर्शन बांगड़, गुलजार सिंह, पंजाब सिंह, सूरजभान शामिल थे। सभी ने रमेश फुले और मोहित की इस पहल की सराहना की।

दीक्षा भूमि नागपुर में मुकेश ग्रोवर ने किए बाबासाहब के दर्शन, जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

करनाल। नीलोखेड़ी के गांव बरानी निवासी मुकेश ग्रोवर ने 18 सितंबर को महाराष्ट्र के नागपुर स्थित ऐतिहासिक दीक्षा भूमि की यात्रा की, जहां उन्होंने बाबासाहब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा रोपित बोधिवृक्ष के दर्शन कर खुद को धन्य महसूस किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने बाबासाहब और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को करीब से महसूस किया, जिसे उन्होंने अपने जीवन का एक अविस्मरणीय और सबसे महत्वपूर्ण पल बताया।

दीक्षा भूमि पहुंचकर मुकेश ग्रोवर ने शांति स्तूप, पैगोडा और अन्य ऐतिहासिक साक्ष्यों का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि इस पवित्र स्थान का शांत, सौहार्दपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण मन को असीम शांति और सुकून देता है। ग्रोवर ने कहा, ÷यह एक ऐसा ऐतिहासिक पल है जो मैंने अपने जीवन में पहली बार महसूस किया है। यह जगह सचमुच एक अलग ही ऊर्जा और सकारात्मकता से भरी हुई है।÷

मुकेश ग्रोवर ने बताया कि दीक्षा भूमि वह स्थल है जहाँ बाबासाहब ने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म को अपनाया था। यह स्थल न केवल एक धार्मिक केंद्र है बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के संदेश का प्रतीक भी है। इस यात्रा ने उन्हें बाबासाहब के जीवन संघर्ष और उनके महान विचारों को और भी गहराई से समझने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उन्हें जीवन भर प्रेरित करता रहेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर मनाया कुमारी शैलजा का जन्मदिन

गजब हरियाणा ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा का जन्मदिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण करके मनाया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव सुरेश यूनिसपुर की अगुवाई में यह आयोजन किया गया, जिसमें किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सतबीर सिंह, थानेसर ब्लॉक के पूर्व अध्यक्ष फतेह सिंह और अन्य कई कार्यकर्ता शामिल थे। पौधरोपण के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुरेश यूनिसपुर ने कहा कि कुमारी शैलजा पार्टी की एक समर्पित और निष्ठावान नेता हैं। उन्होंने हमेशा कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए काम किया है। यूनिसपुर ने शैलजा को एक ऐसी नेता बताया जो कार्यकर्ताओं का सम्मान करती हैं और उनमें नई ऊर्जा भरती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री रहते हुए कुमारी शैलजा ने हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाई और उन्हें जनता तक पहुँचाया। अब सिरसा से सांसद के रूप में भी वह लगातार हरियाणा के लोगों के हितों के लिए काम कर रही हैं। सुरेश यूनिसपुर ने जोर देकर कहा कि कुमारी शैलजा ने हमेशा सरकार के सामने जनता के मुद्दों को उठाया है। उन्होंने हाल ही में आई बाढ़ के दौरान बाढ़ पीड़ितों और किसानों की आवाज बुलंद की। साथ ही, प्रदेश में खाद संकट को लेकर भी उन्होंने किसानों की मांगों को सरकार तक पहुंचाया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने कुमारी शैलजा को जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

एमपी नवीन जिंदल के प्रयासों से कुरुक्षेत्र में विकास कार्यों को मिली गति: भारती सैनी

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली। बीड़ पिपली की सरपंच एडवोकेट भारती सैनी ने हाल ही में सांसद नवीन जिंदल से मुलाकात की और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक के रूप में एक पौधा भेंट किया। इस भेंट के दौरान, उन्होंने सांसद द्वारा दिए गए अनुदान से गांव में बनाई गई एक गली के निर्माण कार्य पूरा होने पर ग्रामीणों की ओर से आभार व्यक्त किया। सरपंच सैनी ने सांसद जिंदल को बीड़ पिपली का दौरा करने के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया, ताकि वे स्वयं गांव की जरूरतों और चल रहे विकास कार्यों का जायजा ले सकें। इस अवसर पर, उन्होंने सांसद खेल महोत्सव में बीड़ पिपली की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। एडवोकेट भारती सैनी ने सांसद नवीन जिंदल की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों में तेजी आई है। उन्होंने कहा, सांसद नवीन जिंदल हमेशा जनहित के कार्यों के लिए तत्पर रहते हैं और उन्होंने संसदीय क्षेत्र के हर गांव और कस्बे को विकसित करने का संकल्प लिया है, चाहे वह सड़क निर्माण हो या पेयजल की व्यवस्था। इस मौके पर राजेश सैनी (पूर्व सरपंच), कुलबीर सिंह, रमेश कुमार, सतीश कुमार, विकास और कमल सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

प्रकाशक , सम्पादक एवं मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा मेसर्स डी बी कार्प लिमिटेड प्लाट न.42-43 सेक्टर - 29, हुडा,पानीपत से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं. 890 पी, सेक्टर - 4, अर्बन एस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (9138203233), Registretion Namber: HAR/HIN/2018/77311